प्रेस विज्ञप्ति

प्रो0 एम0 एल0 बी0 भटट्, कुलपति, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, डा0 अपजित कौर, कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, नेत्र विभाग, प्रो0 अरून शर्मा, प्रभारी, आई बैंक, सुश्री क्लेयर बोनिला, साईट लाईफ, एवं डा0 मधु भदौरिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीतापुर नेत्र चिकित्सालय द्वारा अत्याधुनिक के0जी0एमू0यू0 आई0 बैंक द्वारा कार्नियल अन्धता से पीड़ितों की पुनः रोशनी स्थापित करने के उददेश्य के तीव्रगामी विकास को उद्घोषित किया गया।

के0जी0एम0यू0 आई बैंक का उद्घाटन दिनांकः 05 दिसम्बर–2016 को माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के करकमलों द्वारा किया गया। के0जी0एम0यू0 आई बैंक द्वारा अपनी संचालन से उत्तर प्रदेश के लगभग 110 से अधिक जनमानस को कार्निया प्रत्यारोपण के द्वारा रोशनी प्रदान की गई है। के0जी0एम0यू0 आई0 बैंक द्वारा प्रदेश में 24 घण्टे नेत्र/कार्निया दान के प्रोत्साहन में सहायक भूमिका का निर्वाहन कर रहा है। के0जी0एम0यू0 आई बैंक जनमानस को प्रत्येक मृत्यु के सन्दर्भ में नेत्रदान हेतु संचालित निःशुल्क नं0–1919 पर सूचना देने हतु प्रोत्साहित करता है।

प्रो0 एम0एल0बी0 भटट्, कुलपति, के0जी0एम0यू0 द्वारा कहा गया कि वे आई बैंक की उपलब्धियों के प्रति काफी उत्साहित हैं। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं के0जी0एम0यू0 आई बैंक द्वारा सामूहिक प्रयासों से विगत वर्ष चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा 67 प्रत्यारोण को निष्पादित किया। के0जी0एम0यू0 आई बैंक द्वारा वर्ष के प्रथम पॉच माह के अन्तराल में ही 100 से अधिक प्रत्यारोपण का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है जिसके आधार पर हम आश्वस्त है कि हम निश्चित ही कार्निया अन्धता जैसे बीमारी को पूर्णरूप से समाप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं।

श्री अतुल कपूर, वाईस प्रेसीडेन्ट ऑफ एशिया, साईट लाईफ द्वारा अवगत कराया गया कि कार्निया नेत्र की सबसे ऊपर की परत होती है। कोई भी व्यक्ति मृत्यु के पश्चात् 24 घण्टे के0जी0एम0यू0 आई बैंक द्वारा निःशुल्क संचालित नं0–1919 पर कार्निया के दान हेतु सूचना दे सकता है। कार्निया दान की प्रक्रिया में मात्र 15 से 20 मिनट का समय लगता है तथा इस प्रक्रिया में दानकर्ता के पारिवार को किसी भी तरह का वित्तीय व्यय का वहन नहीं करना पड़ता है जबकि प्रत्येक कार्निया के दान से एक जनमानस जो कि अन्धता से पीड़ित है, को ऑखों की रोशनी प्राप्त होती है।

के0जी0एम0यू0 आई बैंक, किंग जार्ज चिकित्सा विष्वविद्यालय, सीतापुर आई अस्पताल ट्रस्ट एवं साईट लाईफ की एक ऐसी लोक एवं निजी सहभागिता है जो कि हंस फाउन्डेशन द्वारा समर्थित है जिसका शुभारम्भ दिनांकः 05 दिसम्बर–2016 को माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के कर–कमलों द्वारा किया गया है। के0जी0एमयू0 आई बैंक द्वारा सम्बन्धित परिवारों को परामर्श, कार्निया/नेत्र का संग्रहण एवं प्रकमण, शल्य चिकित्सकों को कार्निया को वितरण तथा शल्य चिकित्सकों एवं टेक्नीशियनों को प्रशिक्षण जैसी विभिन्न सुविधायें प्रदान करता है। के0जी0एम0यू0 आई बैंक द्वारा यह समस्त सुविधायें कार्नियल अन्धता से पीड़ित व्यक्त्यिों को नेत्र रोशनी उपलब्ध कराये जाने हेतु ही प्रदान की जाती है।

के0जी0एम0यू0 आई0 बैंक का संचालन एक विश्वस्तरीय अलाभकारी संस्थान साईट लाईफ द्वारा किया जाता है। के0जी0एम0यू0 आई बैक किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेन्टर में स्थापित है जो प्रशिक्षित कर्मचारियों से युक्त है। के0जी0एम0यू0 आई बैंक के पास कार्निया की अनुकूलता के सटीक निर्धारण हेतु अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप तकनीक उपलब्ध है। के0जी0एम0यू0 आईं बैंक निःशुल्क राष्ट्रीय सहायतार्थ नं0–1919 से एकीकृत है जिसके माध्यम से कार्निया से सम्बन्धित समस्त जिज्ञासाओं का निवारण सीधे आई बैंक के द्वारा किया जाता है।

डॉ0 अरून शर्मा, प्रभारी आई बैंक द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है तथा इसकी जनसंख्या अमेरिका की जनसंख्या का दो–तिहाई है। एक ओर जहॉ विगत वर्ष में अमेरिका द्वारा लगभग 50,000 प्रत्यारोपण किये वहीं उत्तर प्रदेश में 650 कार्निया के प्रत्यारोपण किये गये। इस वर्ष केजीएमयू आई बैंक द्वारा प्रथम 5 माह में ही 100 से अधिक कार्नियां प्रत्यारोपण होना उत्साहवर्धक है।

————————